रेचल की लाइब्रेरी

रिचर्ड उंगर



चेलम के प्रसिद्ध गाँव के नागरिकों की एक समस्या है:
लोग समझते हैं कि उनके गांव के लोग मूर्ख हैं.
वो इस छवि को मिटाना चाहते हैं और बाहरी लोगों को अपनी
असली बुद्धिमानी दिखाना चाहते हैं!
शायद इसका हल वारसॉ के महान शहर में मिले और इसलिए,
बहुत बहस के बाद, वहां एक विशेष प्रतिनिधिमंडल
भेजा जाता है. युवा रेचल, एक कंबल के नीचे छिपकर
समूह में अनायास जुड़ जाती है.

वारसॉ पहुँचकर प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्या
के हल के लिए तमाम विचित्र सुझाव दिए.
जल्द ही उन्हें अपने विचारों मूर्खता का एहसास हुआ.
पर जैसे ही उनकी गाड़ी वारसॉ लाइब्रेरी के सामने से गुज़री,
तब रेचल को एक शानदार विचार आया.
रेचल ने अपनी सामान्य बुद्धि से एक समाधान खोजा
जिससे बाहर के लोगों को समझ में आए
कि चेलम के लोग मूर्ख नहीं, बल्कि बुद्धिमान थे.

रेचल की लाइब्रेरी



रिचर्ड उंगर



"चेलम के लोगों की एक गंभीर समस्या है!" पेशे से बढ़ई साइमन ने गांव वालों को चौक में इकट्ठा होने को कहा. "कल, मिन्स्क के एक यात्री ने मुझसे पूछा कि क्या यह सच है कि चेलम के लोग रात के खाने में नाश्ता करते हैं और नाश्ते में रात का खाना खाते हैं. जब मैंने जवाब दिया, "बेशक," तो वो हंसा. पर इसके अलावा कुछ और भी है. बस आज सुबह मैंने ल्यूबेल्स्की के एक कुली से चेलम की एक और बात सुनी. "चेलम के लोग इतने मूर्ख हैं कि वे हाथों में मोजे पहनते हैं और पैरों में दस्ताने पहनते हैं!"

"लेकिन, साइमन," पानी ढोने वाले इज़्ज़ी ने कहा, "इसमें समस्या क्या है, यह सच है ... कम से कम सर्दियों में."

"सच है या नहीं," साइमन ने उत्तर दिया, "पर बाहरी लोग हमें मूर्ख समझें हमें इस छवि को मिटाना होगा!"

सभी गांव वालों ने सिर हिलाया. लेकिन वो सच्चे ज्ञानी हैं यह वो लोगों को कैसे समझायें? बहुत बहस के बाद, उन्होंने एक विशेष प्रतिनिधिमंडल वारसॉ भेजने का फैसला किया. उन्होंने तर्क दिया, कि वारसॉ, जैसी दुनियादारी वाली जगह में उन्हें अपनी समस्या का हल ज़रूर मिल जाएगा.



चेलम ने निवासी अपने महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए स्ट्रॉ से चित्र बनाते थे. कौन वारसॉ जाएगा यह तय करने के लिए भी उन्होंने स्ट्रॉ से चित्र बनाए. साइमन ने अपनी सुन्दर ड्राइंग से साथ सभी को चकित कर दिया. इज़ी और मिरियम के बनाए चित्र भी प्रभावशाली थे. फिर साइमन, इज़ी और मिरियम को चेलम के विशेष प्रतिनिधिमंडल के लिए चुना गया.







अगली सुबह, वारसॉ के लिए विशेष प्रतिनिधिमंडल रवाना हुआ. वे इज़ी की गाड़ी में गए. साइमन ने अपनी बगल में रखे कंबल को हिलते हुए देखा. उसने सोचा शायद सड़क पर कोई गड्ढा होगा. लेकिन एक क्षण बाद, उसने एक छींक सुनी जो कंबल के नीचे से आई. साइमन ने कंबल के एक कोने को पकड़ा और उसे ऊपर की ओर उछाला.



"रेचल!"

"नमस्ते, पिताजी. वारसॉ की यात्रा के लिए आज का दिन बड़ा सही दिन है, क्यों है ना?"

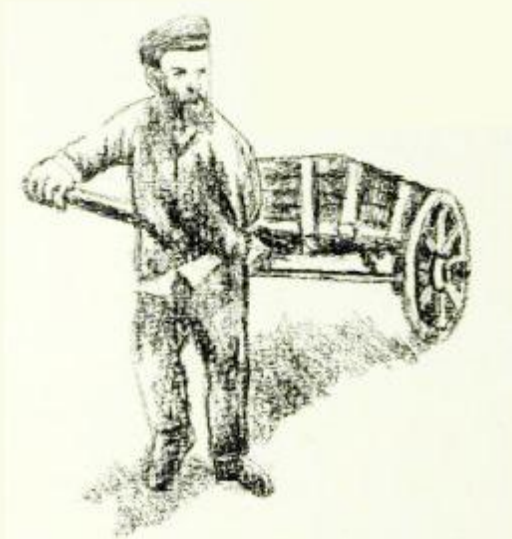
"लेकिन तुम हमारे साथ नहीं चल सकती हो ... मेरा मतलब है .. तुम तो घर पर रहकर अपनी माँ की मदद करने वाली थीं?" साइमन ने कहा.

“माँ को आज मेरी जरूरत नहीं है. लेकिन पिताजी आप चिंता न करें. मैं आपको बिल्कुल परेशान नहीं करूंगी. यात्रा में खुद को व्यस्त रखने के लिए मैं अपने साथ कुछ लाई हूं.” रेचल ने कंबल की तहों में से एक किताब निकाल कर दिखाई. वो एक जासूसी उपन्यास था.

साइमन गुस्सा हुए. "ठीक है, रेचल, ठीक है, तुम हमारे साथ चलो. लेकिन याद रखना, यह एक व्यापारिक यात्रा है. लुबल्सकी स्ट्रीट पर मिठाई वाली दुकान पर हम नहीं रुकेंगे."

"शुक्रिया, पिताजी!" रेचल ने साइमन को गले लगाया और फिर वो जासूसी दुनिया में लीन हो गई.





पूरी सुबह और अधिकांश दोपहर की यात्रा के बाद, धूल से लथपथ सब लोग आखिरकार वारसॉ पहुंचे. शहर में काफी हलचल थी: बूढ़े और जवान, मज़दूर, पैदल चलने वाले और विद्वान आपस में बतिया रहे थे, हंस और चिल्ला रहे थे और अपने-अपने कामों में व्यस्त थे.

इज़ी ने छांव के नीचे गाड़ी खड़ी की. भव्य इमारतों को देखते हुए, उसने टिप्पणी की, "ज़रा देखो! यहाँ के घर इतने ऊँचे हैं कि पक्षी भी इतने ऊँचे उड़ने में पस्त हो जाएंगे! मेरे ख्याल से अगर हम चेलम में इस तरह के घर बनायें तो फिर कोई भी, कभी भी, हमारी बुद्धिमानी पर पर शक नहीं करेगा."

"लेकिन ऐसे घरों में कौन रहना चाहेगा?" मिरियम ने पूछा. "मैं तो नहीं रहूंगी, क्योंकि इतनी ऊँचाई से मैं कभी भी सारा के आंगन में झाँककर नहीं देख पाऊँगी कि वहां क्या हो रहा है, और न ही सेल्मा की रसोई से आने वाली लज़ीज़ महक को सूंघ पाऊंगी."

मिरियम सही थी, सभी सहमत हुए और इसलिए वे आगे बढ़े....



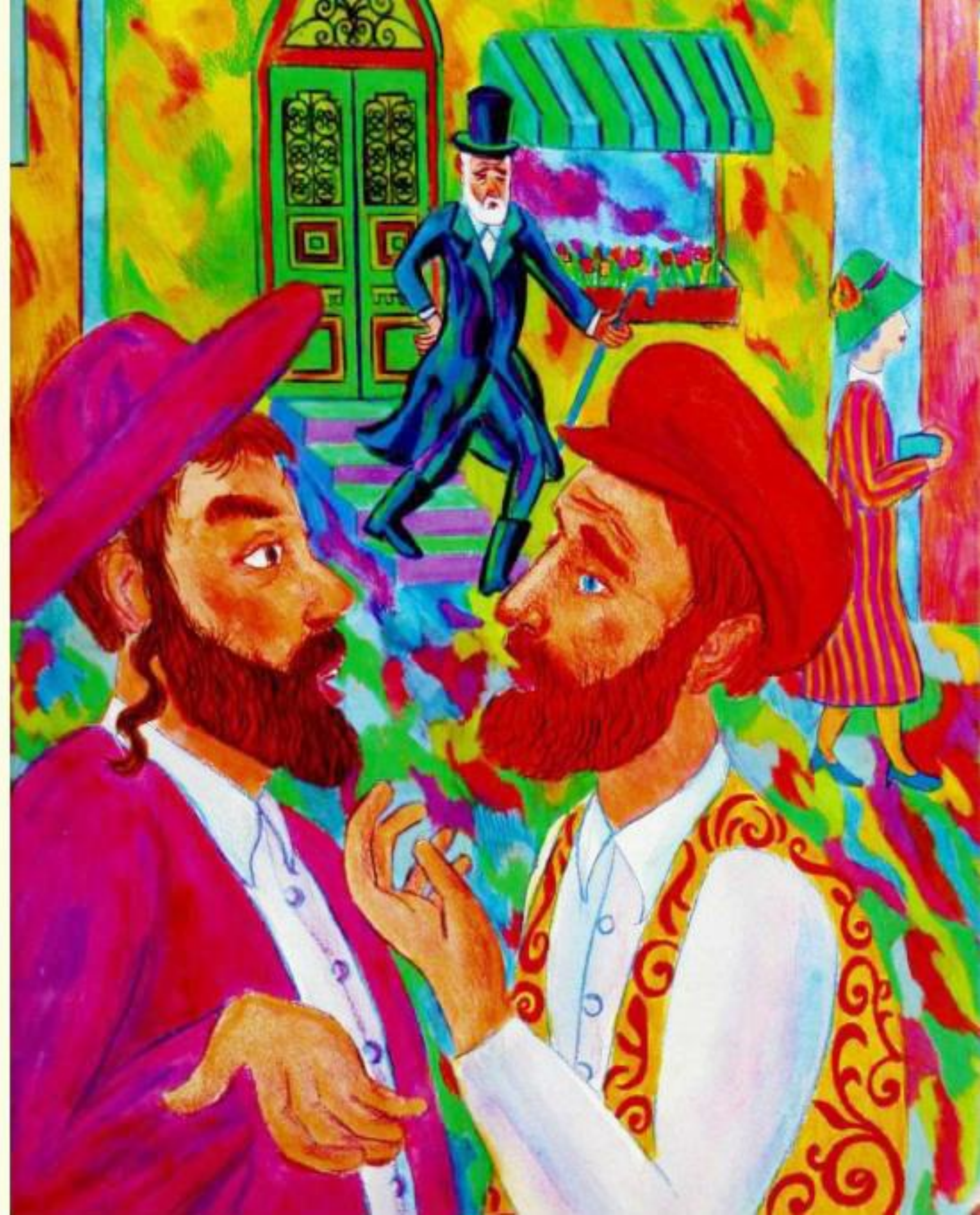


थोड़ी देर के बाद, सड़क सकरी हो गई और अब इमारतों की जगह दुकानों ने ले ली. एक ऊंची टोपी, सुंदर ओवरकोट और चमकदार जूते पहने हुए एक सज्जन, दुकान से बाहर निकले.

"ज़रा उस आदमी को देखो!" इज़ी ने कहा, "मुझे यकीन है कि अगर चेलम में हर कोई उसके जैसे स्टाइलिश कपड़े पहने, तो फिर कोई भी हमें बुद्धू नहीं समझेगा."

"लेकिन, इज़ी." साइमन ने टिप्पणी की, "एक ऊंची टोपी के साथ तुम भला क्या कर सकते हो? तुम न तो उसे आसानी से हुक पर टांग सकते हो और न ही उसमें अपने हाथ गर्म कर सकते हो. मेरी ऊनी टोपी से वो करना संभव है! और चेलम में इतने सारे पानी के गड्ढे हैं कि किसी के भी बूट ज़्यादा देर तक चमकीले नहीं रहेगे."

साइमन सही था, वे सहमत हुए. और इसलिए वे आगे बढ़े ...







जल्द ही वे एक व्यस्त बाजार में पहुंचे. वहां से मसालों और अन्य चीज़ों की अच्छी खुशबू आ रही थी.

मिरियम ने कहा, "आपने देखा कि कैसे वो दुकानदार मछलियां तोलने के लिए एक तराज़ू इस्तेमाल कर रहा है? अगर चेलम में भी उसी तरह का तराज़ू होता तो हर कोई हमें बहुत बुद्धिमान समझता.”

"लेकिन, मिरियम," इज़्ी ने कहा, "उसका क्या उपयोग? चेलम को कोई मछली खुद को कभी भी तराज़ू पर रखे जाने के लिए तैयार नहीं होगी. चेलम की मछलियां नदी में तैरना ही पसंद करती हैं.“ इज्जी सही थी, वे सहमत हुए. और इसलिए वे आगे चलते गए ...



अब तक आसमान में सूरज ढलने लगा था. साइमन, इज़ी और मिरियम को पता था कि चेलम की वापिस यात्रा करने का समय आ गया था. लेकिन वे खाली हाथ नहीं लौटना चाहते थे. और इसलिए, यह तय करने के लिए कि क्या वे और आगे बढ़ें या वापस जाएं, वे वहीँ रुके.

जब रेचल ने देखा कि वे कहाँ रुके थे, तो वो गाड़ी से छलांग लगाकर बाहर कूदी. "पिताजी, मुझे यह जगह पता है." फिर उसने एक सुंदर दरवाजे वाली इमारत की ओर इशारा किया. "मैं यहाँ माँ के साथ पहले भी आई हूँ. यह एक लाइब्रेरी है!"

"एक क्या?"

"एक पुस्तकालय, पिताजी. यहाँ पर लोग अनेकों पुस्तकें पढ़ सकते हैं."





“पर वो जगह हमारी क्या मदद कर सकती है?” साइमन ने पूछा.

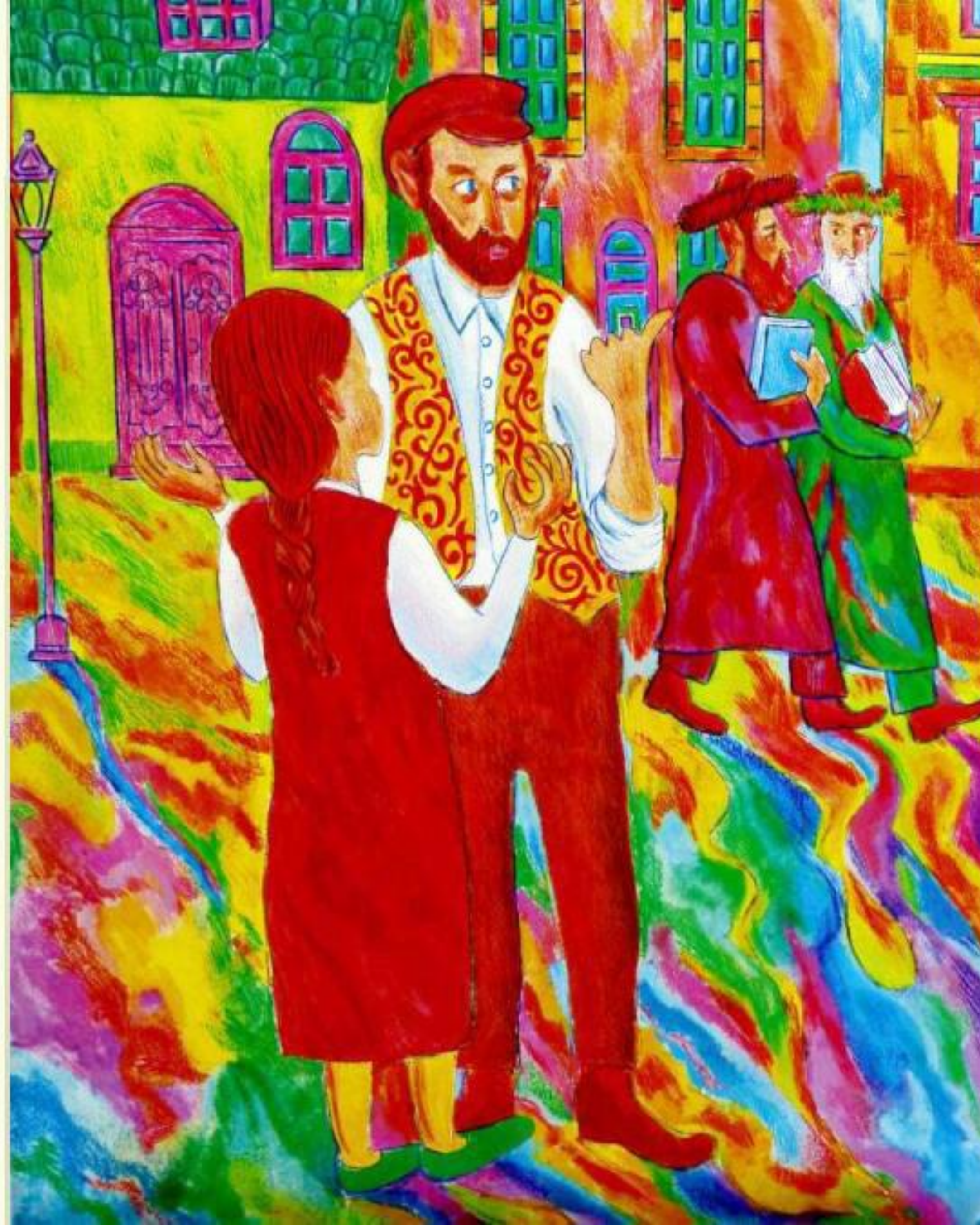
"बहुत कुछ!" रेचल ने जवाब दिया. "पिताजी ज़रा सोचें, चेलम में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति कौन है?"

"हमारे रेबॉय (पुजारी). वो सबको पता है," साइमन ने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब दिया. "और जब हमारे पुजारी प्रार्थना नहीं कर रहे होते हैं और जब वो दूसरों की मदद नहीं कर रहे होते हैं तो वो हमेशा क्या करते हैं?"

साइमन एक पल के लिए चकराया, लेकिन जब उसने दो लोगों को वहां से किताबें लेकर जाते हुए देखा, तो अचानक उसे एक विचार आया. "तब पुजारी अपनी किताबें पढ़ते हैं!"

"बिल्कुल सही!" रेचल ने कहा. "तो दुनिया को दिखाने के लिए कि चेलम के लोग बुद्धिमान हैं, वहां पर एक बहुत बड़ा पुस्तकालय होना चाहिए!"

उसके बाद रेचल आगे बढ़ी और फिर लाइब्रेरी की इमारत में गायब हो गई.



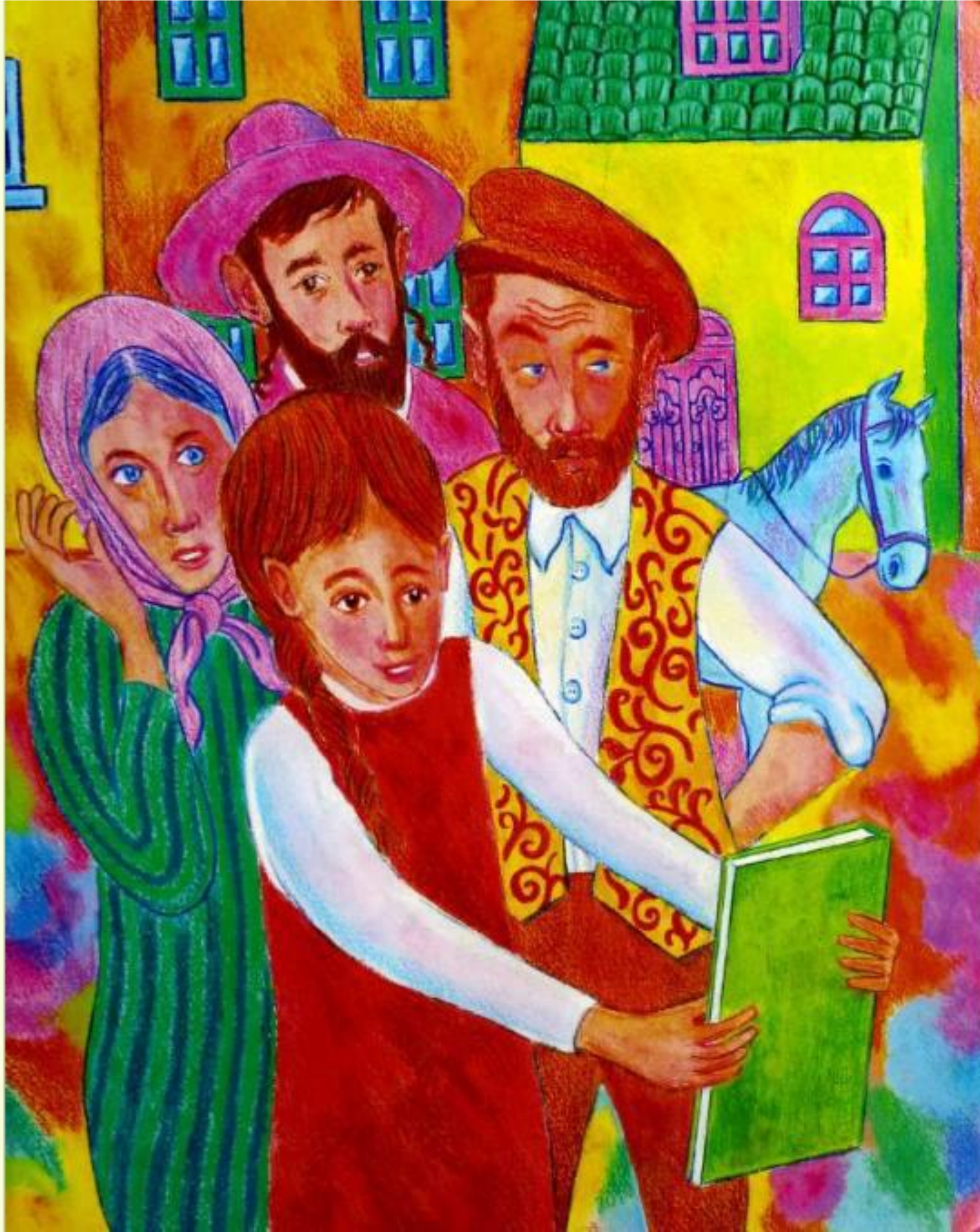


साइमन, इज़ी और मिरियम ने चुपचाप रेचल के सुझाव पर विचार किया. चेलम के लिए एक पुस्तकालय! कोई भी लाइब्रेरी को गलत नहीं कह सकता था. कुछ ही क्षणों बाद रेचल वापिस आई. उसके हाथ में एक पतली, नई किताब थी.

साइमन ने उसका शीर्षक पढ़ा : *द कलेक्टेड राइटिंग ऑफ द सेंटस ऑफ चेलम*. “लेकिन बाकी किताबों का क्या?" साइमन ने पूछा. "एक पतली पुस्तक से काम नहीं बनेगा. हमें वारसॉ पुस्तकालय की सभी पुस्तकों को अपने साथ चेलम वापस ले जाना होगा!"

"लेकिन, पिताजी, अगर हमने सभी किताबें ले लीं, तो फिर वारसॉ के लोग क्या पढ़ेंगे? मुझ पर भरोसा रखें. मुझे लगता है कि एक उधार ली गई किताब से शुरू करने में ही समझदारी होगी."

साइमन थोड़ा गुस्सा हुआ, लेकिन बहस करने का समय नहीं था. सूरज ढलने लगा था और उन्हें लम्बा सफर तय करना था.





वो लोग सुबह तड़के ही चेलम वापस पहुंचे. प्रातः काल होने के बावजूद, सभी गांव वाले उन्हें बधाई देने के लिए चौक में एकत्रित थे.

"अच्छा यह बताओ?" हर्शेल दर्ज़ी ने खाली गाड़ी को देखकर कहा. "वो कौन सी चीज है जो चेलम से गुजरने वाले लोगों को यह समझाएगी कि यहाँ के लोग बुद्धिमान हैं, मूर्ख नहीं."

"उन्हें दिखाओ, रेचल," साइमन ने कहा.







रेचल ने वो पुस्तक दिखाई जो उसने वारसॉ लाइब्रेरी से उधार ली थी. फिर रेचल पानी के पम्प की बगल में पड़ी कुछ ईंटों पर खड़ी हुई.

सभी लोग उस किताब को घूरते रहे. ज़रूर उसमें कुछ जादुई होगा, उन्होंने सोचा. विशेष प्रतिनिधिमंडल वारसॉ से यही क्यों वापस लाया? सब लोग किसी चमत्कार की उम्मीद कर रहे थे.

थोड़ी देर के बाद साइमन फुसफुसाया, "रेचल, अब लोग धैर्य खोने लगे हैं. उनके अनुसार हम फेल हुए हैं. वे पूछ रहे हैं कि उस किताब से क्या फायदा होगा!"

"आप सही कह रहे हैं, पिताजी. अब कुछ करने की जरूरत है."



रेचल घर भागकर गई और वहां से अपनी पसंदीदा पुस्तक लाई. फिर वो ईंटों के पास गई और उसने जानबूझकर, उसे पहली किताब की बगल में रखा. अचानक ऐसा लगा जैसे कोई जादू फट पड़ा हो. . ..

"मेरे पास भी एक किताब है जिसे मैंने अभी-अभी पढ़ना ख़त्म किया है," सारा ने कहा.

"मैं भी एक पुस्तक दान कर सकता हूं," दर्ज़ी हर्षल चिल्लाया.

"और मैं किताबों का एक शेल्फ!" संगीतकार राफेल ने कहा.

"हमें अपनी पुस्तकों को रखने के लिए अलमारियों की आवश्यकता होगी," साइमन ने घोषणा की. फिर किताबों के लिए शेल्फ बनाने के लिए वो अपनी वर्कशॉप में गया.

"हाँ, साथ में दीवारों और छत को मत भूलना," इज़ी ने साइमन से कहा.

जल्द ही शहर का चौक लोगों की गतिविधियों से व्यस्त और जीवित हो गया. कुछ ने नई अलमारियों में किताबें रखीं. दूसरों ने अलमारियों के चारों ओर दीवारें बनाईं. कुछ लोग मेज़-कुर्सियां लाए.





चेलम के लोग अपने नए पुस्तकालय से बहुत खुश थे. उन्होंने उसे "रेचल की लाइब्रेरी" नाम दिया. अक्सर लोग रोज़ाना किताबें उधार लेने के लिए लाइब्रेरी में आते थे. पानी ढोने वाला इज़ी - वहां एक दिन में कम-से-कम तीन चक्कर लगाता था. वो हमेशा किताबें उधार लेने के लिए वहां नहीं आता था. वो वहां पम्प से पानी भरने आता था क्योंकि धीरे-धीरे "रेचल की लाइब्रेरी" इतनी बड़ी हो गई थी कि अब पानी का पम्प भी लाइब्रेरी की दीवारों के अंदर आ गया था.



समाप्त